Savyasachi
Beyond the Shores

यह पुस्तक **शब्द-दर्शन: मुक्तिपथ का अज्ञात शिखर** 'सव्यसाची' नामक व्हाट्सअप ग्रुप में लेखक द्वारा लगातार पाँच महीने (19 जुलाई 2021 - 16 दिसम्बर 2021) तक प्रेषित किए गए प्रतिदिन के 'अविचारों' का एक दिनांक सहित क्रमबार संग्रह है। इस पुस्तक में लेखक ने जीवन के साधारण से साधारण पहलुओं में छुपे जीवन-दर्शन को आविष्कृत करते हुए शब्द से अभिव्यक्त सत्य को मुक्तिपथ के रूप में प्रतिस्थापित किया है। इस पुस्तक के सभी 'अविचार' सूक्तिपरक और सारगर्भित हैं, जिनके मर्म को समझने ही व्यक्ति की चेतना सम्यक समझ के आकाश में उड़ने के लिए तैयार हो जाती है। इस पुस्तक में उल्लिखित लेखक के अविचारों पर भिन्न-भिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट विद्वानों ने अपनी सार्थक और संश्लिष्ट टिप्पणी दी है। पुस्तक के प्राक्कथन को सृजित करने का काम किया है लंदन के प्रसिद्ध ग़ज़लकार एवं साहित्यकार **श्री तेजेंद्र शर्मा**, साहित्य अकादमी एवं व्यास सम्मान से पुरस्कृत **श्रीमती नासिरा शर्मा**, बहुप्रतिष्ठित साहित्यकार एवं आलोचक **डॉ० जयप्रकाश कर्दम** और भारतीय रंगमंच एवं सिने जगत् के मशहूर अभिनेता **श्री अखिलेन्द्र मिश्र** (चंद्रकांता के क्रूर सिंह)। सरस्वती सम्मान 2020 से पुरस्कृत सुप्रसिद्ध मराठी साहित्यकार **डॉ० शरणकुमार लिम्बाले** ने लेखक के व्यक्तित्व, ज्ञान-कोश और अविचार पर एक समग्र दृष्टि प्रकट की है। पुस्तक के अनुशेष को **श्री अनंत विजय** (दैनिक जागरण) के साथ **श्री अनुराग पुनेथा** (लोकसभा टीवी) और परिशेष को प्रोफ़ेसर **प्रमोद कुमार बाजपेयी** (प्राचार्य, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, जगधारी, हरियाणा) के साथ प्रोफ़ेसर **अमर सिंह** (विभागाध्यक्ष, अंग्रेज़ी विभाग, शासकीय महाविद्यालय चांदे, मध्यप्रदेश) ने अपने समीक्षात्मक विश्लेषण से आलोकित किया है। इसके परिशिष्ट अनुभाग को लेखक के परम मित्र और वर्तमान समय के बहुप्रतिष्ठित फ़िल्म समीक्षक एवं साहित्यकार **डॉ० कुमार विमलेंदु सिंह** ने अपनी कलम से अभिसिंचित किया है।

अंशुमान जी साहित्य की दुनियाँ के एक ऐसे मनीषी हैं जो आज की युवा पीढ़ी को सही और स्पष्ट राह दिखाने की अद्भुत क्षमता रखते हैं। उनकी यह किताब **शब्द-दर्शन** इस तथ्य का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

• **अखिलेन्द्र मिश्र**
अभिनेता, भारतीय रंगमंच एवं सिनेमा

अंशुमान जी की किताब **शब्द-दर्शन** आज के समय की एक महत्त्वपूर्ण कृति है जिसमें रचनाएं तो छोटी-छोटी हैं मगर वे ज़िन्दगी के बड़े-बड़े मायने सिखाती हैं। मेरी दृष्टि में, यह पुस्तक हिन्दी के प्रति युवा वर्ग के प्रेम को निश्चित ही पुनर्स्थापित करेगी।

• **तेजेन्द्र शर्मा**
लेखक, कहानीकार एवं ग़ज़लकार, लंदन

डॉ० अंशुमान जी के 'अविचार' हमारे जीवन को बड़ी गहराई से छू लेते हैं। इन्होंने अपनी इस किताब **शब्द-दर्शन** में जीवन के गूढ़तम विषयों को बहुत ही स्पष्ट एवं सटीक शब्दों में व्याख्यायित किया है।

• **नेहा बाथम**
एंकर, आजतक न्यूज़ चैनेल

अंग्रेज़ी-हिन्दी की महनीय परम्परा के संवाहक अंशुमान जी की यह किताब **शब्द-दर्शन** साहित्य जगत् के पृष्ठ पर एक अमिट हस्ताक्षर है।

• **जयप्रकाश कर्दम**
लेखक, कवि एवं साहित्यकार

वर्तमान साहित्य जगत् में आज के युग का समुचित मार्गदर्शन करने के लिए डॉ० प्रवीण कुमार अंशुमान जी की किताब **शब्द-दर्शन: मुक्तिपथ का अज्ञात शिखर** से ज्यादा सार्थक और सारगर्भित कोई और दूसरी किताब सम्भवतः नहीं है।

• **दैनिक समय वार्ता अख़बार**
नई दिल्ली, ई-संस्करण

AUTHORS PRESS
Publishers of Creative & Scholarly Books
ISBN 978-93-5529-267-4
₹ 295 | $25

शब्द-दर्शन
डॉ० प्रवीण कुमार अंशुमान

शब्द-दर्शन

मुक्तिपथ का अज्ञात शिखर

डॉ० प्रवीण कुमार अंशुमान

डॉ० प्रवीण कुमार अंशुमान वर्तमान में **दिल्ली विश्वविद्यालय** के नॉर्थ कैंपस में स्थित **किरोड़ीमल कॉलेज** के अंग्रेज़ी विभाग में **असोसिएट प्रोफ़ेसर** के पद को सुशोभित कर रहे हैं। इन्होंने अपनी उच्च शिक्षा की सारी डिग्रियाँ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (**बी०एच०यू०**) से प्राप्त की है। इनकी रुचि के प्रमुख विषयों में **पोस्ट-ब्रिटिश डायस्पोरा, भारतीय परम्परा एवं संस्कृति, दलित चिंतन** और **ओशो का साहित्य** सम्मिलित हैं। इनके अलावा लेखक की विशेष अभिरुचि कविता, शायरी और कहानी लेखन के साथ-साथ इनके वाचन में भी है। विगत डेढ़ से दो वर्षों में इन्होंने 17,000 से ज्यादा शायरियों और चार-पाँच महीनों में लगभग 2,000 कविताओं की रचना के साथ अनेक मंचों पर काव्य-पाठ करके अपने साहित्य-सृजन का विगुल बजा दिया है। लेखक स्वयं को कवि की बजाय **कवि-हृदय** कहलाना पसन्द करते हैं, और इनकी कविताओं को **अमर उजाला के काव्य डेस्क** और **कविता कोश** के ऑनलाइन पटल पर पढ़ा जा सकता है। **दैनिक समय वार्ता** अख़बार (नई दिल्ली, ई-संस्करण) के सम्पादकीय पृष्ठ पर लेखक के 'अविचारों' का प्रकाशन प्रतिदिन होता है। अभी तक इनकी कुल ग्यारह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। **शब्द-दर्शन: मुक्तिपथ का अज्ञात शिखर** इनकी **बारहवीं पुस्तक** है जो कि इनकी बहुचर्चित एवं लोकप्रिय पुस्तक **शब्द-संवाद: 'अविचारों' की अविरल धारा** का ही अगला और अंतिम खण्ड है। **शब्द-संवाद** लेखक की वही पुस्तक है जिसके कुछ 'अविचारों' को भारतीय हिन्दी सिनेमा जगत् के महानायक **श्री अमिताभ बच्चन** जी ने अपने ऑफ़िशियल सोशल मीडिया हैंडल्स पर साझा किया है, और इसी पुस्तक के लिए लेखक को यूकीयोटो द्वारा **"बेस्ट इलस्ट्रेटर अवॉर्ड 2022"** से सम्मानित भी किया गया है। **हैशटैग कलाकार** के अंतर्गत **हिस्ट्री टीवी 18** ने जहाँ डॉ० अंशुमान का नाम 2022 के 100 लेखकों की सूची में शुमार किया है तो वहीं पर इंडियन शिक्षा अवॉर्ड्स ने उन्हें **"बेस्ट प्रोफ़ेसर ऑफ़ दी ईयर 2022"** के ख़िताब से भी नवाज़ा है।